

## अध्याय - 2 | व्यावसायिक संगठन के स्वरूप

**QUIZ  
PART-06**

- वह साझेदार जो व्यवसाय के संचालन में सक्रिय रूप से भाग लेता है, क्या कहलाता है?
  - सुस साझेदार
  - सक्रिय साझेदार
  - नाममात्र साझेदार
  - गुप्त साझेदार(B)

**व्याख्या:** सक्रिय साझेदार पूँजी लगाने के साथ-साथ दैनिक प्रबंधन में भी भाग लेता है।

- सुस साझेदार की कौन-सी विशेषता है?
  - वह प्रबंधन में भाग लेता है
  - वह जनता के सामने प्रसिद्ध होता है
  - वह दैनिक कार्यों में भाग नहीं लेता
  - वह लाभ का हिस्सा नहीं लेता(C)

**व्याख्या:** सुस (निष्क्रिय) साझेदार केवल पूँजी लगाता है और दैनंदिन कार्यों में भाग नहीं लेता।

- गुप्त साझेदार किस बात के लिए जाना जाता है?
  - वह पूँजी नहीं लगाता
  - वह जनता से छिपा होता है
  - वह लाभ का हिस्सा नहीं लेता
  - उसकी देनदारी सीमित होती है(B)

**व्याख्या:** गुप्त साझेदार अन्य साझेदारों की तरह पूँजी व लाभ में भाग लेता है, लेकिन उसकी पहचान जनता को ज्ञात नहीं होती।

- नाममात्र का साझेदार कौन होता है?
  - पूँजी लगाकर प्रबंधन करता है
  - नाम का उपयोग होने देता है लेकिन पूँजी नहीं लगाता
  - गुप्त रूप से व्यवसाय में जुड़ा होता है
  - दैनंदिन प्रबंधन करता है(B)

**व्याख्या:** नाममात्र साझेदार केवल अपना नाम उपयोग करने देता है, पर लाभ, प्रबंधन या पूँजी में भाग नहीं लेता।

- वह साझेदार जो अपने आचरण से दूसरों को यह विश्वास दिलाए कि वह साझेदार है, क्या कहलाता है?
  - सक्रिय साझेदार
  - उप-साझेदार
  - नाममात्र साझेदार
  - बंधन साझेदार (एस्टॉपेल)(D)

**व्याख्या:** एस्टॉपेल साझेदार अपने व्यवहार से दूसरों को भ्रमित करता है कि वह फर्म का साझेदार है और इस कारण देनदार माना जा सकता है।

- वह व्यक्ति जो जान-बूझकर अपने नाम का उपयोग फर्म को करने देता है, क्या कहलाता है?
  - प्रक्रतिनिधि साझेदार
  - गुप्त साझेदार
  - सुस साझेदार
  - उप-साझेदार(A)

**व्याख्या:** Holding out साझेदार सक्रिय रूप से अपने नाम का उपयोग करने की अनुमति देता है, जिससे वह देनदार माना जाता है।

- सक्रिय साझेदार की देनदारी कैसी होती है?
  - सीमित
  - केवल पूँजी तक
  - असीमित
  - नहीं के बराबर(C)

**व्याख्या:** सक्रिय साझेदार दूसरों की तरह असीमित देनदारी वहन करता है।

- नाममात्र साझेदार किसमें भाग नहीं लेता?
  - पूँजी योगदान
  - प्रबंधन
  - लाभ और हानि
  - ऊपर के सभी(D)

**व्याख्या:** नाममात्र साझेदार न पूँजी लगाता है, न लाभ-हानि में भागीदार होता है और न प्रबंधन करता है।

- गुप्त साझेदार किस प्रकार लाभ में भाग लेता है?
  - बिल्कुल नहीं
  - सार्वजनिक रूप से
  - सामान्य साझेदार की तरह
  - केवल नाम के आधार पर(C)

**व्याख्या:** गुप्त साझेदार सामान्य साझेदार की तरह पूँजी और लाभ-हानि में भाग लेता है, बस पहचान छिपी रहती है।

- एस्टॉपेल साझेदार की देनदारी क्यों उत्पन्न होती है?
  - वह गुप्त रूप से काम करता है
  - वह व्यवसाय चलाता है
  - वह अपने आचरण से यह संकेत देता है कि वह साझेदार है
  - वह पूँजी लगाता है(C)

**व्याख्या:** एस्टॉपेल साझेदार अपने आचरण से दूसरों को गलत विश्वास दिलाता है कि वह साझेदार है, इसलिए कानूनी देनदारी बनती है।